



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
भूनि भारत २२	१५-१२-२३	२	३-४

## युवा दृढ़ संकल्प के साथ अपने कौशल को बढ़ाकर बन सकते हैं सफल उद्यमी : सतीश

भास्कर न्यूज | हिसार

भारत देश के युवाओं को रोजगार तलाशने की बजाय उद्यमिता की तरफ आगे बढ़ना चाहिए। इसके लिए हमारे युवाओं को मन में दृढ़ संकल्प कर अपने कौशल, सोच व तकनीक को बढ़ाने की जरूरत है। तभी हमारे देश का युवा आत्मनिर्भर बनकर खुद को स्वावलंबी बना पाएंगे, जिससे 2047 तक हमारा देश निरिचत तौर पर विकसित देशों में शुमार हो जाएगा। ये विचार प्रसिद्ध समाजसेवी एवं अर्थशास्त्र विशेषज्ञ सतीश कुमार ने व्यक्त किए। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के सभागार में उद्यमिता : नए भारत का नया मंत्र विषय पर आयोजित उद्यमिता प्रोत्साहन गोष्ठी में मुख्य वक्ता के तौर पर संबोधित कर रहे थे।

इस दैरान गोष्ठी की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने की। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के, संयुक्त सहयोग से इस गोष्ठी का आयोजन किया गया। समाजसेवी मुख्य वक्ता



सतीश कुमार ने उपस्थित विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनने के लिए उद्यमिता का गुण अनन्दन के लिए प्रेरित किया। मुख्य वक्ता ने विद्यार्थियों को जीवन में सफल होने के लिए 5 सूत्रीय मंत्र भी बताया।

वीसी प्रो. बीआर काम्बोज ने भी अपने अध्यक्षीय संबोधन में उपस्थित विद्यार्थियों को उद्यमिता की तरफ कदम बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि उद्यमी बनने के लिए न पैसे, न तकनीक, न पारिवारिक आधार की जरूरत पड़ती है केवल मन में दृढ़ संकल्प होना चाहिए। कुलपति ने विश्वविद्यालय की ओर से युवाओं के कौशल विकास में वृद्धि करने, आत्मनिर्भर बनाने एवं स्वरोजगार की छोटी-छोटी इकाईयां स्थापित करने के उद्देश्य से शुरू की गई योजनाओं का भी जिक्र किया।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सुमित्राचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरूक	15-12-23	५	३-५

## युवा रोजगार तलाशने की जगह उद्यमिता की तरफ बढ़ें : सतीश

जागरण संवाददाता, हिसार : भारत देश के युवाओं को रोजगार तलाशने की बजाय उद्यमिता की तरफ आगे बढ़ना चाहिए। इसके लिए हमारे युवाओं को मन में दृढ़ संकल्प कर अपने कौशल, सोच व तकनीक को बढ़ाने की जरूरत है। तभी हमारे देश का युवा आत्मनिर्भर बनकर खुद को स्वावलंबी बनाएगा, जिससे 2047 तक हमारा देश निश्चित तौर पर विकसित देशों में शुमार हो जाएगा। ये वक्तव्य समाजसेवी एवं अर्थशास्त्र विशेषज्ञ सतीश कुमार ने कहे। वे हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के सभागार में उद्यमिता, नए भारत का नया मंत्र विषय पर आयोजित उद्यमिता प्रोत्साहन गोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में बोल रहे थे। गोष्ठी की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने की। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के संयुक्त सहयोग से इस गोष्ठी का आयोजन किया गया।



हृत्कृति में आयोजित गोष्ठी में मुख्य वक्ता प्रसिद्ध समाजसेवी एवं अर्थशास्त्र विशेषज्ञ सतीश कुमार संबोधन देते हुए। ● पीआरओ

युवा सफल उद्यमी की जीवनी को पढ़ें

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि हमारे देश के युवाओं को सफल उद्यमी बनना है तो सर्वप्रथम आजतक सफल उद्यमी जैसे एलन मस्क, बिल गेट्स, वारेन बुफे, स्टीव जार्ड, रितेश अग्रवाल, जमशेदजी टाटा व बाबा रामदेव की जीवनी को गहनता से पढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि उद्यमी बनने के लिए न पैसे, न तकनीक, न पारिवारिक आधार की जरूरत पड़ती है केवल मन में दृढ़ संकल्प होना चाहिए। अभी तक 100 से ज्यादा स्टार्टअप एबिक सेंटर से प्रशिक्षण प्राप्त कर अपना खरोजगार शुरू कर चुके हैं। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशक डा. अंतुल ढींगड़ा ने सभी का स्वागत किया।



गोष्ठी में उपस्थित विद्यार्थीगण। ● पीआरओ



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अभूतजाला	१५-१२-२३	५	१-५

आयोजन

नए भारत का नया मंत्र विषय पर आयोजित उद्यमिता प्रोत्साहन गोष्ठी में समाजसेवी एवं अर्थशास्त्र विशेषज्ञ सतीश कुमार ने दिया भाषण

## युवा अपने कौशल को बढ़ाकर बन सकते हैं सफल उद्यमी

संवाद न्यूज एंजेंसी

हिसार। भारत देश के युवाओं को रोजगार तलाशने के बजाय उद्यमिता की तरफ आगे बढ़ना चाहिए। इसके लिए हमारे युवाओं को मन में दृढ़ संकल्प कर अपने कौशल, सोच व तकनीक को बढ़ाने की जरूरत है। तभी हमारे देश का युवा आत्मनिर्भर बनकर खुद को स्वावलंबी बनाएगा, जिससे 2047 तक हमारा देश निश्चित तौर पर विकसित देशों में शुमार हो जाएगा। ये बात समाजसेवी एवं अर्थशास्त्र विशेषज्ञ सतीश कुमार ने कही।

वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के सभागार में उद्यमिता : नए भारत का नया मंत्र विषय पर आयोजित उद्यमिता प्रोत्साहन गोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित कर रहे थे। इस दौरान गोष्ठी की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.



एचएयू में आयोजित गोष्ठी में संबोधित करते  
मुख्यवक्ता अर्थशास्त्र विशेषज्ञ सतीश कुमार। संवाद



हिसार में एचएयू में आयोजित गोष्ठी में उपस्थित विद्यार्थी। संवाद

बीआर कांबोज ने की। विवि के छात्र कल्याण निदेशालय एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के संयुक्त सहयोग से इस गोष्ठी का आयोजन किया गया।

समाजसेवी मुख्य वक्ता सतीश कुमार ने उपस्थित विद्यार्थियों को जीवन में सफल होने के लिए 5 सूत्रीयमंत्र भी बताया।

उन्होंने कहा कि पहला युवाओं को अपने अंदर कुछ न कुछ सीखने का संकल्प धारण करना होगा ताकि वे जल्दी से जल्दी रोजगार प्राप्त कर सकें।

दूसरा युवाओं को रोजगार को तलाश करने के बजाय छोटी-छोटी स्वरोजगार होने के लिए 5 सूत्रीयमंत्र भी बताया।

बढ़ाना चाहिए। तीसरा नौजवानों को नई व बड़ी सोच एवं कुछ लीक. से हटकर सोचने की मानसिकता को धारण करना चाहिए। चौथा युवाओं को साकारात्मक सोच के साथ मेहनत, ईमानदारी, नवाचारों को अपनाने एवं जोखिम लेने जैसे गुणों को धारण करना चाहिए। पांचवां युवाओं को

राष्ट्र को प्राथमिकता देने एवं स्वदेशी सामग्री को अपनाना चाहिए।

कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने भी अपने अध्यक्षीय संबोधन में उपस्थित विद्यार्थियों को उद्यमिता की तरफ कदम बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि हमारे देश के युवाओं को सफल उद्यमी बनना है तो सर्वप्रथम आज तक सफल उद्यमी की जीवनी को गहनता से पढ़ना चाहिए। ताकि उन्हें पता चले कि उद्यमी बनने के लिए किन गुणों और किन मूल्यों को अपनाने की जरूरत पड़ती है। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने सभी का स्वागत किया, जबकि राष्ट्रीय सेवा योजना अवॉर्ड डॉ. भगत सिंह ने धन्यवाद किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, शिक्षाविद्, डॉ. चंद्रशेखर डागर, स्वयंसेवक एवं विद्यार्थी भी मौजूद रहे।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब के सरी	15-12-23	2	2-6

## युवा दृढ़ संकल्प के साथ अपने कौशल को बढ़ाकर बन सकते हैं सफल उद्यमी : सतीश कुमार

हिसार, 14 दिसम्बर (ब्लूरो) : देश के युवाओं को रोजगार तलाशने की बजाय उद्यमिता की तरफ आगे बढ़ना चाहिए। इसके लिए हमारे युवाओं को मन में दृढ़ संकल्प कर अपने कौशल, सोच व तकनीक को बढ़ाने की जरूरत है। तभी हमारे देश का युवा आत्मनिर्भर बनकर खुद को स्वावलंबी बनाएगा, जिससे 2047 तक हमारा देश निश्चित तौर पर विकसित देशों में शुमार हो जाएगा।

ये वक्तव्य प्रसिद्ध समाजसेवी एवं अर्थशास्त्र विशेषज्ञ सतीश कुमार ने कहे। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि



गोष्ठी में संबोधन देते मुख्य वक्ता प्रसिद्ध समाजसेवी एवं अर्थशास्त्र विशेषज्ञ सतीश कुमार।

महाविद्यालय के सभागार में उद्यमिता: में मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित प्रो. बी.आर. काम्बोज ने की। नए भारत का नया मंत्र विषय पर कर रहे थे। इस दौरान गोष्ठी की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति निदेशालय एवं राष्ट्रीय सेवा योजना

इकाई के संयुक्त सहयोग से इस गोष्ठी का आयोजन किया गया।

समाजसेवी मुख्य वक्ता सतीश कुमार ने उपस्थित विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनने के लिए उद्यमिता का गुण अपनाने के लिए प्रेरित किया। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने भी अपने अध्यक्षीय संबोधन में उपस्थित विद्यार्थियों को उद्यमिता की तरफ कदम बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि उद्यमी बनने के लिए न पैसे, न तकनीक, न पारिवारिक आधार की जरूरत पड़ती है, केवल मन में दृढ़ संकल्प होना चाहिए।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
टीर - भूमि	१५-१२-२३	११	१-५

नए भारत का नया मंत्र विषय पर उद्यमिता प्रोत्साहन गोष्ठी आयोजित

# रोजगार तलाशने की बजाय उद्यमिता की तरफ आगे बढ़ें युवा : सतीश

■ बेरोजगार युवा एचएयू से जुड़कर बन सकते  
सफल उद्यमी : बीआर काम्बोज

हाइब्रिड न्यूज || हिसार

भारत देश के युवाओं को रोजगार तलाशने की बजाय उद्यमिता की तरफ आगे बढ़ना चाहिए। इसके लिए हमारे युवाओं को मन में दृढ़ सकलत्य कर अपने कौशल, सोच व तकनीक को बढ़ाने की जरूरत है। तभी हमारे देश का युवा आत्मनिर्भर बनकर खुद को स्वावलंबी बनाएगा, जिससे 2047 तक हमारा देश निश्चित तौर पर विकसित देशों में शुमार हो जाएगा। यह बत ग्रासिद्ध समाजसेवी एवं अर्थशास्त्र विशेषज्ञ सतीश कुमार ने कही। वे बहस्तिवार को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के सभागार में उद्यमिता : नए भारत का नया मंत्र विषय पर आयोजित उद्यमिता प्रोत्साहन गोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित कर रहे थे। इस दैरान में गोष्ठी की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने की। मुख्य वक्ता ने विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर



हिसार। मुख्य वक्ता एवं अर्थशास्त्र विशेषज्ञ सतीश कुमार को स्मृति विन्ह देकर सम्मानित एचएयू कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज।

और स्वावलंबी बनने के लिए उद्यमिता का गुण अपनाने के लिए प्रेरित किया और कहा कि आज के युवा रोजगार प्राप्त करने के लिए मुख्यतः तीन प्रकार की धारणाएं रखते हैं। इनमें पहली धारणा यह है कि रोजगार केवल सरकारी एवं गैर-सरकारी संगठन से ही मिलता है, दूसरा उच्च डिग्री, प्रमाण-पत्र एवं डीएम्सी प्राप्त करके ही रोजगार प्राप्त किया

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में उपस्थित विद्यार्थियों को उद्यमिता की तरफ कदम बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि हमारे देश के युवाओं को सफल उद्यमी बनाना है तो सर्वथाम आज तक सफल उद्यमी जैसे लेन मस्क, बिल गेट्स, वारेन बुफे, स्टीव जार्ब, रिटेश अंगवाल, जमशेदजी टाटा व बाबा रामदेव की जीवनी को गहनता से पढ़ना चाहिए ताकि उन्हें पता चले कि उद्यमी बनने के लिए किन गुणों और किन मूल्यों को अपनाने की जरूरत पड़ती है।

जा सकता है और तीसरा रोजगार केवल सरकार ही उपलब्ध करवाती है। युवाओं को

## 100 से ज्यादा ले चुके प्रशिक्षण

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में नार्बार्ड व कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के वित्तीय सहयोग से स्थापित एवीबिजवेस इंक्यूबेशन सेंटर (एबिक) है, जिसके माध्यम से युवा, किसान व उद्यमी मार्केटिंग, बैटवर्किंग, लाइब्रेरी, ट्रैडमार्क व पेटेट, तकनीकी व फंडिंग से सबैति प्रशिक्षण लेकर कृषि क्षेत्र में अपने स्टार्टअप को नया आयाम दें सकते हैं। अभी तक 100 से ज्यादा स्टार्टअप एबिक सेंटर से प्रशिक्षण प्राप्त कर अपना स्वरोजगार शुरू कर चुके हैं। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल दांगड़ा ने सभी का स्वागत किया, जबकि राष्ट्रीय सेवा योजना अवार्डी डॉ. भगत सिंह ने धन्यवाद किया।

## उद्यमिता की तरफ कदम बढ़ाएं

इन गलत धारणाओं से बाहर निकलकर उद्यमिता का गुण अपनाना होगा।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,

## हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
‘अजीट सभापति’	१५-१२-२३	५	१-५

## युवा दृढ़ संकल्प के साथ आपने कौशल को बढ़ाकर बन सकते हैं सफल उद्यमी : मुख्य वक्ता

### वरोज्जगार युवा छक्कि से जुड़कर बन सकते हैं सफल उद्यमी : कुलपति प्रो. वी.आर. काम्बोज

हिसार, 14 दिसम्बर (विरेंद्र वर्मा): भारत देश के युवाओं को रोजगार तलाशने की जजाय उद्यमिता की तरफ आगे बढ़ाना चाहिए। इसके लिए हमारे युवाओं को मन में दृढ़ संकल्प कर अपने कौशल, सोच व तकनीक को बढ़ाने की जरूरत है। तभी हमारे देश का युवा आत्मनिर्भर बनकर खुद को स्वावलंबी बनाएगा, जिससे 2047 तक हमारा देश निश्चित तौर पर विकसित देशों में शुभार हो जाएगा। ये वक्तव्य प्रसिद्ध समाजसेवी एवं अर्थशास्त्र विशेषज्ञ सतीश कुमार ने कहे। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के सभामार में उद्यमिता : नए भारत का नया मंत्र विषय पर आयोजित उद्यमिता प्रोत्साहन गोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित कर रहे थे। इस दौरान गोष्ठी की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.

बी.आर. काम्बोज ने की। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के संयुक्त सहयोग से इस गोष्ठी का आयोजन किया गया। समाजसेवी मुख्य वक्ता सतीश कुमार ने उपस्थित विद्यार्थियों को



कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज गोष्ठी में उपस्थित मुख्य वक्ता प्रसिद्ध समाजसेवी एवं अर्थशास्त्र विशेषज्ञ सतीश कुमार को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करते हुए।

आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनने के लिए उद्यमिता का गुण अपनाने के लिए प्रेरित किया। मुख्य वक्ता ने कहा कि आज के युवा रोजगार प्राप्त करने के लिए मुख्यतः तीन प्रकार की धारणाएँ रखते हैं। इनमें पहली धारणा यह है कि रोजगार केवल सरकारी एवं गैर-सरकारी संगठन से ही मिलता है। दूसरा उच्च डिग्री, प्रमाण-पत्र एवं डीएमसी प्राप्त करके ही रोजगार प्राप्त किया जा

सकता है। तीसरा रोजगार केवल सरकार ही उपलब्ध करवाती है। युवाओं को इन गलत धारणाओं से बाहर निकलकर उद्यमिता का गुण अपनाना होगा। उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में सफल होने के लिए 5 सूत्रीयमंत्र भी बताया। उन्होंने कहा कि पहला युवाओं को अपने अंदर कुछ न कुछ सीखने का संकल्प धारण करना होगा ताकि वे जल्दी से जल्दी रोजगार

प्राप्त कर सकें। दूसरा युवाओं को रोजगार को तलाश करने की जजाय छोटी-छोटी स्वरोजगार इकाईयां स्थापित करने की ओर कदम बढ़ाना चाहिए। तीसरा नौजवानों को नई व बड़ी सोच एवं कुछ लोक से हटकर सोचने की मानसिकता को धारण करना चाहिए। चौथा युवाओं को साकारात्मक सोच के साथ मेहनत, ईमानदारी, नवाचारों को अपनाने एवं जोखिम लेने जैसे गुणों को धारण करना चाहिए। पांचवां युवाओं को राष्ट्र को प्रथमिता देने एवं स्वदेशी समग्री को अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में नाबाई व कृषि एवं विद्यार्थी भी मौजूद रहे।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	14.12.2023	--	--

## युवा दृढ़ संकल्प कर कौशल को बढ़ाकर बन सकते हैं सफल उद्यमी : सतीश कुमार

मिट्टी पत्ता न्यूज, हिसार। भारत देश के युवाओं को गोपनीय तत्त्वाश्रय की व्यापक उद्यमिता की तरफ आगे बढ़ना चाहिए। इसके लिए हमारे युवाओं को मन में दृढ़ संकल्प कर अपने कौशल, मोर्चा व तकनीक की बढ़ाने की ज़रूरत है। तभी हमारे देश का युवा आर्थिक विकास युद्ध की म्यावजूली बनाएगा, जिससे 2047 तक हमारे देश निश्चित तौर पर विकसित देशों में शामार हो जाएगा। ये व्यक्तियों अवश्यक विशेषज्ञ सालों कुमार ने कहे। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में उद्यमिता : नए भारत का नया मंत्र विषय पर आव्याख्यत उद्यमिता प्रोत्साहन गैंडी में मुख्य घटकों के समूह में संबोधित कर रहे थे।

मुख्य घटकों ने उपस्थिति की तरफ आगाहर प्राप्त करने के लिए मुख्यतः तीन प्रकार की धारणाएं रखते हैं। इनमें पहली धारणा यह है कि गोपनीय कौशल, योग्यता एवं गैर-व्यापारी संगठन में ही निवारा है। दूसरा उच्च दियो, प्रयोग-वाद एवं दीप्तमता प्राप्त करने ही गोपनीय प्राप्त किया जा सकता है। तीसरा गोपनीय कौशल



मुख्य घटकों ने कार्रवाहि उच्च कौशल, गोपनीय कौशल, योग्यता एवं गैर-व्यापारी संगठन में ही निवारा है। दूसरा उच्च दियो, प्रयोग-वाद एवं दीप्तमता प्राप्त करने ही गोपनीय प्राप्त किया जा सकता है। तीसरा गोपनीय कौशल

मुख्य घटकों ने कार्रवाहि उच्च कौशल, गोपनीय कौशल, योग्यता एवं गैर-व्यापारी संगठन में ही निवारा है। दूसरा उच्च दियो, प्रयोग-वाद एवं दीप्तमता प्राप्त करने ही गोपनीय प्राप्त किया जा सकता है। तीसरा गोपनीय कौशल

पारिवारिक आपार की उत्तरता पाली है। कौशल गति में दृढ़ संकल्प लाना चाहिए। कृतिपति न विश्वविद्यालय की ओर से युवाओं के कौशल विकास में दृढ़ करने, आर्थिक विकास के लिए योजनाओं का भी शिक्षण किया।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स	14.12.2023	--	--

## युवाओं दृढ़ संकल्प के साथ अपने कौशल को बढ़ाकर बन सकते हैं सफल उद्यमी : सतीश कुमार

हिसार ( चिराग टाइम्स )

भारत देश के युवाओं को रोजगार तलाशने की चाजाय उद्यमिता की तरफ आगे बढ़ना चाहिए। इसके लिए हमारे युवाओं को मन में दृढ़ संकल्प कर अपने कौशल, सोच व तकनीक को बढ़ाने की ज़रूरत है। तभी हमारे देश का युवा आत्मनिर्भर बनकर यूट पी स्वावलंबी बनाएगा, जिससे 2047 तक हमारा देश निश्चित तीर पर विकसित देशों में शुभार हो जाएगा। ये वकाल्य प्रसिद्ध समाजसेवी एवं अद्यशास्त्र विशेषज्ञ सतीश कुमार ने कहे। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के सभागार में उद्यमिता = नए भारत का नया प्रयोग पर आयोजित उद्यमिता प्रोत्साहन गोष्ठी में मुख्य वकार के रूप में संबोधित कर रहे थे। इस दौरान गोष्ठी की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रौ. चौ.आर. काम्बोज ने की। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण



निदेशक एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के संयुक्त सहयोग से इस गोष्ठी का आयोजन किया गया।

समाजसेवी मुख्य वकार सतीश कुमार ने उपस्थित विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनने के लिए उद्यमिता का गुण अपनाने के लिए प्रेरित किया। मुख्य वकार ने कहा कि आज के युवा रोजगार प्राप्त करने के लिए मुख्यतः तीन प्रकार की धारणाएँ रखते हैं। इनमें पहली धारणा यह है कि रोजगार के बहल सरकारी एवं गैर-सरकारी संगठन से ही मिलता है। दूसरा उच्च डिप्टी, प्रमाण-पत्र एवं ई-एमसी प्राप्त करके ही रोजगार प्राप्त किया जा सकता है। तीसरा रोजगार के बहल सरकार ही

उपलब्ध करवाती है। युवाओं को इन गलत धारणाओं से बाहर निकलकर उद्यमिता का गुण अपनाना होगा। उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में सफल होने के लिए 5 सूत्रोंयन्त्र भी बताया। पांचवा युवाओं को राष्ट्र की प्राथमिता देने एवं स्वदेशी समाजी को अपनाना चाहिए।

कुलपति प्रौ. चौ.आर. काम्बोज ने भी अपने अध्यक्षीय संबोधन में उपस्थित विद्यार्थियों को उद्यमिता की सरक कदम बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि हमारे देश के युवाओं को सफल उद्यमी बनाना है तो सर्वप्रथम आज तक सफल उद्यमी जैसे एलन मैक, बिल गेट्स, वारेन बुफे, स्टीव जाव, रिटेश अग्रवाल,

जमशेदजी टाटा व बाबा रामदेव की जीवनी को गहनता से पढ़ना चाहिए ताकि उन्हे पता चले कि उद्यमी बनने के लिए किन गुणों और किन मूल्यों को अपनाने की ज़रूरत पड़ती है। जिसके माध्यम से युवा, किसान व उद्यमी मार्केटिंग, नेटवर्किंग, लाइसेंसिंग, ट्रैडिंग व ऐटेंट, तकनीकी व फॉर्म से संबंधित प्रशिक्षण लेकर कृषि क्षेत्र में अपने स्टार्टअप को नया आवाम दे सकते हैं। अभी तक 100 से ज्यादा स्टार्टअप एवं सेंटर से प्रशिक्षण प्राप्त कर अपना स्वरोजगार शुरू कर चुके हैं।

विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अमूल हीमद्दा ने सभी का स्वागत किया, जबकि राष्ट्रीय सेवा योजना अवार्ड डॉ. भगत मिंह ने भव्यवाद किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारी, निदेशक, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, शिक्षाविद् डॉ. चंद्रशेखर द्वारा, स्वर्यंसेवक एवं विद्यार्थी भी मौजूद रहे।



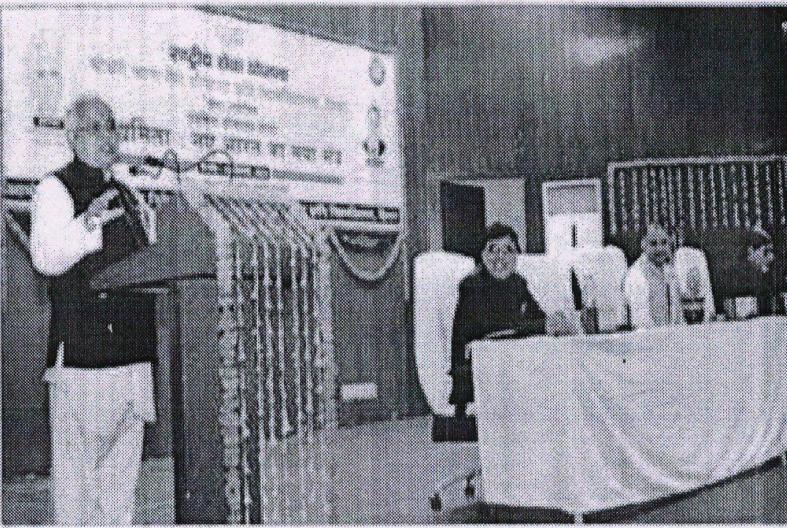
# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	14.12.2023	--	--

## युवा अपने कौशल को बढ़ाकर बन सकते हैं सफल उद्यमी : सतीश कुमार

**समस्त हरियाणा न्यूज**  
**हिसार।** इन अव दिन व विदेश की कौशिक में बढ़ा जाता नहीं है विकास मूल्य और विदेशी (आईटी) के आगामी के साथ यह विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय तकनीकों के माध्यम से संवेदनों से पर पैदा होता है। इससे दुनिया भर के प्रमुख क्षेत्रों पर बहुत बड़ा प्रभाव डाला है। ये विदेशी वैज्ञानिक विद्या हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृतिपति प्रौ. बी.आ. राजेश्वरी ने कहा: वे आज विश्वविद्यालय के नीतिक विज्ञान एवं वानिकी महाविद्यालय में नेहरू प्रूफेक्शनल इंजीनियरिंग एवं संसाधनों के प्रति जागरूकता एवं उपयोगी विद्या व विद्यार्थियों द्वारा विश्वविद्यालय के शुभारंभ अवधार पर संबोधित कर रहे हैं। इस प्राविद्युत का आवाजन विश्वविद्यालय के नेहरू प्रूफेक्शनल द्वारा किया गया है।

पुरुषविद्युत द्वारा कठिन हो ने अपने संदर्भ में जागरूकता में उपर्युक्त लाभों की अवधार में बढ़ा जाता है। उन्होंने चाहा प्रूफेक्शनल उपयोगकर्ताओं विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा इन इंसाधनों के उपयोग के बारे में जागरूक करना बहुत ज़रूरी बन गया है। कठिन ये संसाधन विभिन्न विद्यालयों के



प्रयोग में उपलब्ध हैं। मैं जानता हूं कि हरियाणा के विद्यार्थी येहां प्रूफेक्शनल एवं उपयोगकर्ताओं का लाभ उठाकर अंतर्राष्ट्रीय एवं गणराजीय सरकार के संसाधनों में प्रविहित पढ़ों पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा आज प्रूफेक्शनल विद्युत इंसाधनों जैसे इं-प्रूफेक्शनल इंजिनियरिंग एवं संसाधनों जैसे इं-प्रूफेक्शनल इंजिनियरिंग और इं-आरएस के माध्यम से इं-जनलेस,

इं-प्रैविक इं-रिपोर्टिंग इं-टेक्नोलॉजी और इं-एक्स्प्रेस के तहत उपलब्ध होने वाले विद्युतीय और पुस्तकालय योगानों तक पहुंच बनाना लाप उद्द्देश्य। यात्रोंतर लिखा अधिकारी, आईटीवी विद्यार्थियों के प्रमुख अन्वेषक एवं उपलब्धकारी ने प्रूफेक्शनल एवं संसाधनों के बारे में विश्वविद्यालय के विद्युत विभाग व विद्यार्थियों में 3.82 लाख रुपये दिया है और इं-प्रैविक एवं संसाधनों के बारे में विद्युत विभाग और संसाधनों के बारे में विश्वविद्यालय के विद्युत विभाग व विद्यार्थियों में 2.75 लाख रुपये, 4,300 से अधिक इं-जनलेस विद्युत और विद्युतीय जनलेस (प्रूफेक्शनल एवं अंतर्राष्ट्रीय) और 4.30 लाख रुपये येहां इं-जनलेस विद्युत एवं लैपटॉप का प्रयोग करना उपर्युक्तताएँ लाप उद्देश्य हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के प्रूफेक्शनल इं-जनलेस को अंदरूनी के विद्यार्थियों द्वारा उपयोग की जानवाली दी जाएगी।

प्रैविक प्रूफेक्शनल एवं पुस्तकालय योगानों द्वारा बलावत मिल ने राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय विद्युत विद्यार्थियों के बारे में विश्वविद्यालय के तहत आयोजित उपर्युक्त एवं विश्वविद्यालय के प्रूफेक्शनल एवं संसाधनों जैसे इं-प्रैविक एवं इं-जनलेस के विद्युत विभाग विद्युत विभाग की जानवाली दी।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

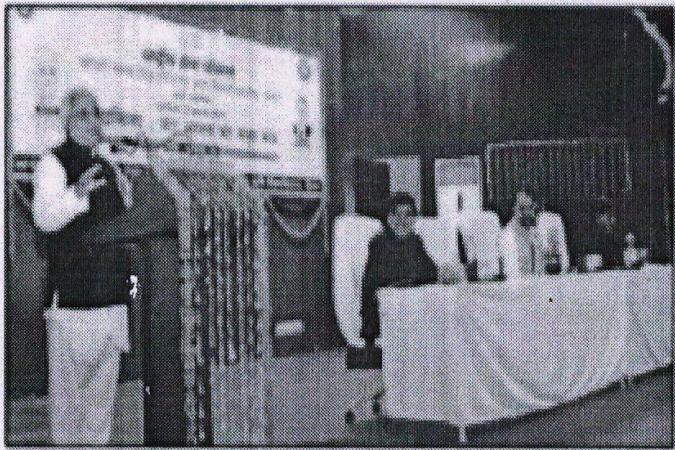
समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	14.12.2023	--	--

**हक्की में उद्यमिता :** नए भारत का नया मंत्र विषय पर उद्यमिता प्रोत्साहन गोष्टी का आयोजन

युवा अपने कौशल को बढ़ाकर बन सकते हैं सफल उद्यमी : सतीश कुमार

गुरु विद्या

हिमाचल प्रदेश के पुस्तकों की विकास नकारात्मक दृष्टि से बढ़ाया जा सकता है। इसके लिए इसमें पुस्तकों की संख्या में वृद्धि करना चाहिए, और उनमें से कई अधिक विषयों की विवरणों की जांच करनी चाहिए। इसके अलावा, विभिन्न विषयों की विवरणों की विवरणों की जांच करनी चाहिए। इसके अलावा, विभिन्न विषयों की विवरणों की जांच करनी चाहिए। इसके अलावा, विभिन्न विषयों की विवरणों की जांच करनी चाहिए। इसके अलावा, विभिन्न विषयों की विवरणों की जांच करनी चाहिए। इसके अलावा, विभिन्न विषयों की विवरणों की जांच करनी चाहिए।



www.english-test.net

मानवीय एवं भू-सामग्री संचयन में ही विकास है। दूसरा इस विषय पर इत्यादि वर्ष विज्ञानी विद्युत विद्यालय की विद्यालय विद्युत विद्यालय है। तीसरा द्वितीय विद्यालय मानवादी विद्यालय विद्यालय है। चौथा विद्यालय विद्यालय मानवादी विद्यालय है। अन्यांसे विद्युत विद्यालय विद्यालय में विद्युत विद्यालय विद्यालय विद्यालय विद्यालय है। अन्यांसे विद्युत विद्यालय विद्यालय में विद्युत विद्यालय विद्यालय है।

जाया कि एक सुनाही की अपनी छोड़ कुह  
ये बुढ़ा सौतेला तो संस्कृत भाषा करने की  
शक्ति वे जारी हैं जबकि देशभाषा तात्पर  
में। सुनाहा सुनाहा यह उंचावर की उत्तर  
करने की कठिन छोटी-छोटी संस्कृत  
इकाईयों समूहित करने की ओर काम करने  
की इसकी विवरण कीवालों की एवं वे प्रत्येक  
एक कुह और की इकावर समूहों की  
समूहितकरण की वास्तव काम करने चाहते। ऐसे  
सुनाहों की वास्तविकता सौंधने के बाब्त बैठक,  
दिलचस्पी, वास्तवों की अवस्था एवं विविध  
तरीके से कुहों की वास्तव काम चाहते। जानवर  
सुनाहों की एक यह विवरणित है कि एक सुनाही  
समूहों की वास्तव चाहते।

भूमिकी दो तो भला चाहिए वही जो अपनी भूमिका में उपर्युक्त विवरणों की उपलब्धि की रक्षा करते रहते हैं तो विनाशित विषय उपर्युक्त विषय के सुधारों की सहायता करते हैं कि विषय अवश्यक रक्षा करने का लक्ष्य बनता है।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष	14.12.2023	--	--

विद्यार्थियों को ई-संसाधनों का उपयोग करके अपडेट रहना चाहिए : कुलपति प्रो.बी.आर. काम्बोज

हक्कविं में दो दिवसीय शैक्षणिक ई-संसाधनों के प्रति जागरूकता एवं उपयोग विषय पर प्रशिक्षण का शाभारंभ

第10章

**दिल्ली, 14 दिसंबर:** जल अवृत्ति देश के दिल्ली की पर्याप्ति में जल दुष्कृति नहीं है बल्कि जलवायन प्रौद्योगिकी (आईटी) के उपकार के साथ यह विभिन्न आईटी तकनीकों के माध्यम से जलवायन से पर्याप्त जल है। इसी दृष्टिकोण पर के पुस्तकालयों पर चढ़ा बड़ा प्रश्न उठा है, ये विभाग जीविती वर्षा विद्युत विद्युतिकालय के क्रूराती और जी आर वायरल ने कहा है कि वे जल विद्युतिकालय के विभिन्न विभाग एवं पार्श्वसंस्थाएँ जलवायनात्मक वे नेहरू पुस्तकालय द्वारा 'वैज्ञानिक-इंसिंग्स' के प्रति जलवायन एवं उपचारों 'विषय पर आधारित विद्युतिकालय के जलवायन अवसर पर संबोधित कर रहे थे। इस प्रश्निकाल वह अधिकारी ने विद्युतिकालय के नेहरू पुस्तकालय द्वारा जिला ग्रामी

प्रायः विषयी प्री काल्पनिक ने अपने संक्षेप में वार्तावाचक ये उपर्युक्त वाचाओं की अधिक संख्या पर ध्यानी जाहिर की। उन्होंने बहुत प्रायः वाचक उपर्युक्तवाचों विशेषज्ञता विद्याविद्ये को इन वाचावाचों के उपरोक्त के बारे में जानकारी करना बहुत जल्दी कर लगा है। काल्पनिक ये संक्षेपमें विशेष वाचावाचों के व्याख्या ये उपलब्ध हैं। मैं जानता हूँ कि इनकी के विवरणी नेटक प्रायः वाचक



अनेक एवं पुस्तकालय द्वा.  
के ही साथे ने सभी का योगदान दिया  
और पुस्तकालय में उपलब्ध  
पुस्तकालय के बारे में विवरणपूर्ण  
जानकारी थी। इसीमें जान कि  
विभिन्न सामान में पुस्तकालय में  
3.82 साल विद्युत दस्तखत है और  
ट्रिप्पलेट के योगदान में साप्तर्ण 2.75  
(अनुद्दीपि) ट्रिप्पलेट के साप्त  
आप्तवार्ता उपलब्ध है जिसमें  
प्रतिशत के बारेमें, ताकहीनी सारी  
सहित सामान दस्तखत की जानकारी  
की प्रतिशत वालांकाम के संप्रेषण  
है। एकल परिवार ने पक्षपात्र दिया,  
जबकि अन्य का संप्रेषण नहीं होना  
पक्षपात्र ने किया।

इस अवधि पर विद्युतीय संग्रह समाजिक विभिन्नों के विद्युत, विद्युत, विद्युतीय विद्युत, विद्युतीय और विद्युतीय विद्युत है।

उपर्युक्त वाक्य का अनुवान इस प्रकार होता है :  
उच्ची वाक्य में विश्वासात्मक के पुस्तकालय दृष्टिकोण से अद्वितीय वाक्य को अधिक से अधिक विश्वासी एवं पूर्णों के रूप प्रस्तुत है।

**प्रेषण पुस्तकालय के पूर्ण वार्तालाइट**



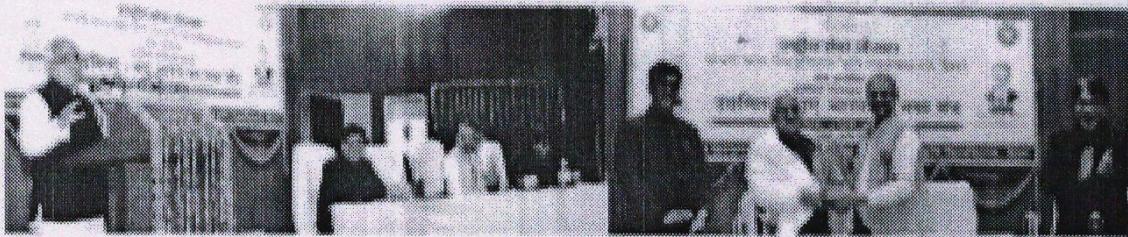
# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष	14.12.2023	--	--

दैनिक यात्रकार्यालय, दिल्ली, केंद्रीय, 14 दिसंबर, 2023

युवाओं दृढ़ संकल्प के साथ अपने कौशल को बढ़ाकर बन सकते हैं सफल उद्यमी : सतीश कुमार  
बेरोजगार युवा हक्किय से जुड़कर बन सकते हैं सफल उद्यमी : कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज

पालकमध्य व्याप  
हिंसा, 14 दिसंबर : पाल  
देश के मुख्यों वा उत्तम व्यक्तियों  
की बदल उद्योग की जगत अवै  
ष्ट्रय चलाया। इसके द्वारा उत्तम  
मुख्यों की जगत में एक बड़ा विकास  
आया और इस व सम्बन्धित विभि  
न्न व्यापारों की विविधता है। एक दूसरी दिन  
एक व्यापार अवैष्ट्रयों के बदल एक व्यापार  
व्यक्तियों व्यापार दिवाली 2047  
नक्ष द्वारा देख दिया गया था।  
विविध व्यापारों देश में एक ही व्यक्ति के  
व्यापारों द्वितीय व्यापारों के एक  
अवैष्ट्रय व्यापार व्यक्ति व्यक्ति के  
हैं। वे ऐसी व्यापार द्वितीय व्यक्ति  
की व्यापारिकान्वय के अन्ति  
प्रवृत्तियां के अन्तर्गत में आविष्ट  
जा सकते हैं वह व्यापार व्यक्ति का  
व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति



पुराणी वो पात्र की पारंपरिक ऐसी पारा  
लोटी गांडी वो अवधारणा थी।

उन्होंने भी ये जरा अवधारणा  
में एक अचैतन्यता दिखायी नहीं दिली। उन्होंने जीवन की जगत की  
जगत बदल देने के लिए अपनी  
विचारों का इस देश के साथ लोटी  
पुराणी वो गांडी गांडी बाहर हो जा-  
नी वाली थी। उन्होंने जीवन के लिए  
न रोये, न लड़कौं, न सुखानीय  
जगत की जगत पानी है तो उन्होंने जी-  
वन में यह साधारण हीन वर्षायि। पुराणी  
विचारोंका बोली ओर में पुराणी  
दीक्षाएँ दिली थीं। उन्होंने अपनी  
पुराणी गांडी, जिस गांडी, जो उन्होंने  
पुराणी वो गांडी विचारों के

अपनी ग्रन्थ 100 से अधिक साहित्य  
संकलनों में शामिल है। उनमें से कुछ इनकी विवरण निम्नानुसार हैं: